Rs. 5.00/-

Look n Learn

Children's Jain Magazine

25th July 2016 I Every Fortnight I English, Hindi & Gujarati

।।विनयस्स संपत्ति,
अविनयस्स विपत्ति।।

Year - 9, Vol: 7, Issue: 12, Date: 25.07.2016
Editor: Ashokbhai Sheth 20, Vanik Niwas, 1st floor, Cama Lane, Ghatkopar (West), Mumbai - 400 086.

I am the Root of Religion

I am the master key to Moksh

Tell me who am I?

I give you Victory and Success in every field

I am fastest way to Gain Knowledge

Vinay i:e respect.

- Parasdham Didi's (Kolkata)

Cheque or Draft:
Arham Yuva Group

Parasdham
Vallabh Baug Lane, Tilak Road,
Ghatkopar (E), Mumbai - 77

Subscription for 10 years:
India : Rs. 1,000/-
Abroad : Rs. 5,000/-

Vinay is a Root of Religion!

विनय धर्म का मूल है।

जैसे की **roots** मजबुत हो तो टहनीयाँ, फल, फूल और पत्तों में हरियाली छा जाती हैं।

वैसे ही एक विनय गुण प्रगट होने से अनेक सद्गुणों की प्राप्ति होती है जैसे की ...

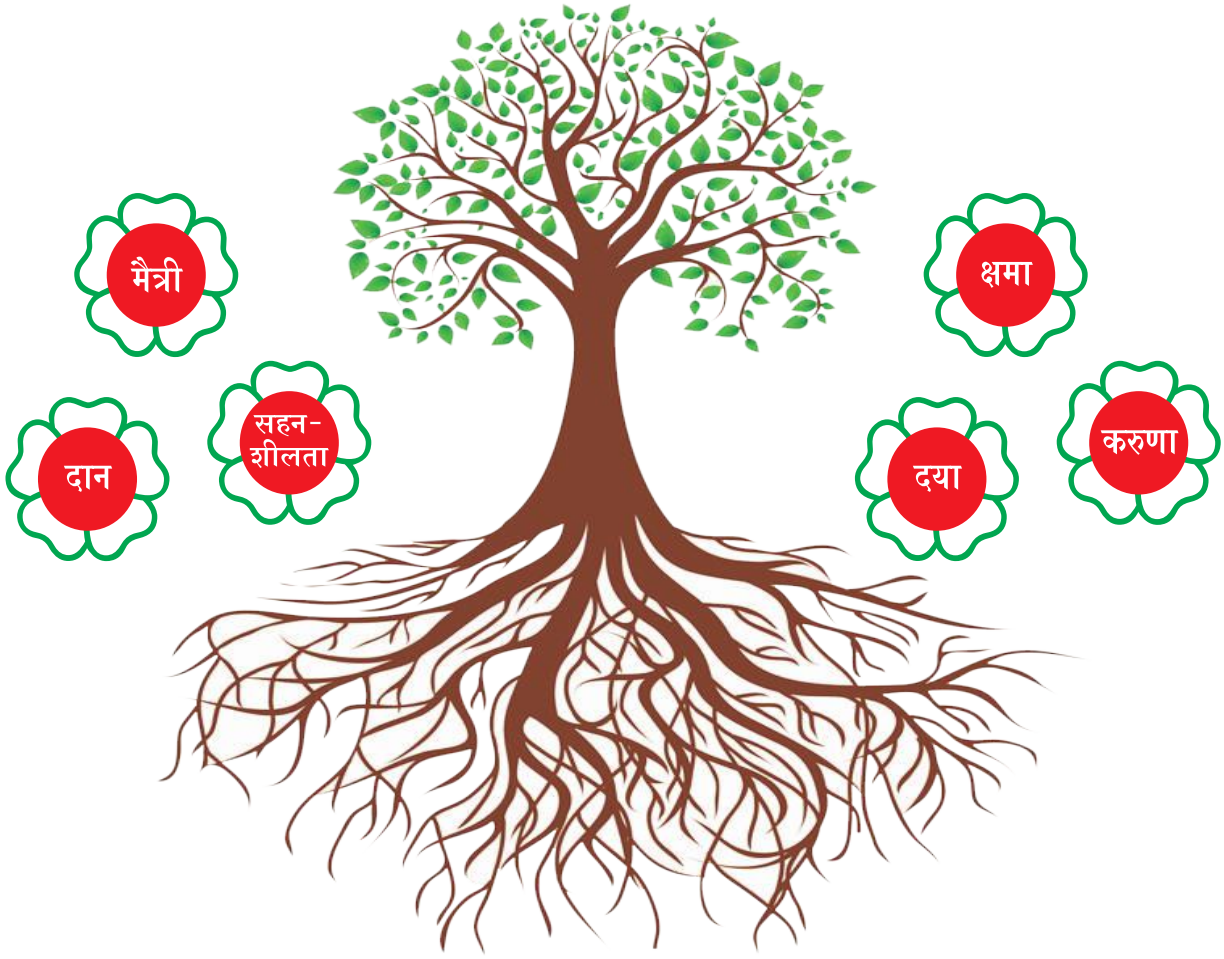

A tree which has strong roots is always fruitful.

Similarly when we have vinay in our roots, we can have multiple fruits of kindness, friendship, compassion, daan, forgiveness etc in our personality.

"अंगुठे अमृत वसे
लब्धि तणा भंडार
गुरु गौतमने समरीए
मनवांछित फल दातार"

प्यारे बच्चों,

यह गाथा किसकी याद दिलाता है।

जी हाँ! "गौतम स्वामी"

गौतम स्वामी यानि प्रभुवीर के प्रथम गणधर, प्रथम शिष्य....

गौतम स्वामी के ५०० शिष्य थे, और उन्हें अपने ज्ञान का अहंकार था।

जब वे परमात्मा के दर्शन के लिए प्रथम बार आए तब उनके ज्ञान का अहंकार कम होने लगा, Ego शून्य होने लगा। और वह जो कोई भी क्रिया करते थे परमात्मा की आज्ञा लेकर ही करते थे।

गौतम स्वामी में विनयभाव प्रगट हो गया।

प्यारे बच्चों, गौतमस्वामी में विनयभाव प्रगट होने से उन्हें क्या प्राप्त हुआ?

हाँ बच्चों गौतमस्वामी को परमात्मा की देशना, जो जिनवाणी आगम द्वारा हम तक पहुँची है, वो ३२ आगम कंठस्थ हो गए।

बच्चों, आप भी जीवन मे सफल होना चाहते हो तो सबसे पहले विनयी बनना होगा।

विनय के कारण गौतम स्वामी लब्धिधारक बने!

१) अंगुठा हिलाए तो सोना महोर का ढ़ेर हो जाए।

२) उनके शरीर के स्पर्श से जो हवा, नदी के पानी को स्पर्श करे, और वह पानी कोई साधारण मनुष्य पीए तो, उन्हें ६ महिने तक बिमारीयाँ छु नहीं सकती।

क्या एसा शक्य है?

हाँ बच्चों, केवल विनय के कारण सद्‌गुणों की प्राप्ती होती है।

विनय जीवन में सफलता पाने की एक master key है।

Moral

हमें सदा अपने से बड़े - छोटे, माता-पिता और गुरुदेव का विनय करना चाहिए वह हमारा घड़तर करते है।

Amazing Facts

गौतम स्वामी प्रभुवीर से आयु में बड़े थे फिर भी वह अपने गुरु को समर्पित थे। अपना Ego Zero करके उनके सामने दो हाथ जोड़कर एक भिक्षुक की तरह बैठते थे। यह था उनका श्रेष्ठ विनयभाव।

विनय है सर्वगुणोंकी माता
जो बनाए सबको विद्यादाता...

बच्चों,
क्या आप जानते हो?

जब आप छोटे होते हो तब आपका अहंकार मोम की तरह होता है, तुरंत ही पीघल जाता है, माता पिता को समर्पित हो जाते है, जुक जाते है, और जैसे बड़े होते हो आपको झुकने में शरम आती हैं। अगर बचपन से ही आप में सबको विनय देने का संस्कार पड़ता हैं तो बड़े हो कर वह आपका सद्गुण बन जाता है।

क्या विनय सिर्फ बडो को किया जाता हैं?
नहीं... विनय छोटो के साथ भी करना चाहिए।

अगर हम बड़े और छोटों का विनय करते है तो वह संस्कार, विनय कहलाता हैं। छोटो के पास भी कई सद्गुण होते है, उनसे बहुत कुछ सिखने को मिलता है, हम...सभी में भगवान बनने की Quality हैं और परमात्मा जैसे बनने के लिये प्रथम Step है विनय...हम विनयी बने तो एक दिन परमात्मा जैसे जरुर बनेंगे...

So only...
Acceptance
And no
Arguements

Key To Success

LESS Of...	MORE Of...
Talking	Listening
Fearing	Doing
Complaining	Encouraging
Worrying	Hoping
Doubting	Believing
Lazing Around	Working Out
Frowning	Smiling
Insecurity	Trust
Weakness	Confidence
Ignorance	Understanding
Hate	Planning
Ungratefulness	Gratitude

- Gurubhakt Mehta Parivar

यह विनय हैं।

कचरे को कुडेदान में डालना

चीज़ें अपनी जगह रखना

खाना खाते समय मौन रहना

मित्रो के साथ चीजे बाँटना

अपंग या वृद्ध व्यक्ति की मदद करना

घर के सदस्य को जय जिनेंद्र बोलना

सोते समय सभी से क्षमा माँगना

सबके साथ नम्रता से बात करना

यह अविनय हैं।

अपने पैर सोफे पर फैलाकर बैठना

दुसरों की इर्षा करना

परीक्षा में नकल करना

खाते समय बाते करना

खाना खाते समय टी.वी. देखना

बड़ों से उँची आवाज में बातें करना

दोस्तों के साथ झगड़ा करना

अपनी चीजे अपनी जगह न रखना

Magic of Guru Agna

Obey Guru agna

Guru Krupa

Positive Vibration

White Aura

Success in every field

पूज्य गुरु भगवंतो

के प्रति विनयभाव प्रगट करने से उनके electro magnetic positive vibration का flow हमारे आसपास positivity फेला देता हैं। जो हमे हर एक क्षेत्र में सफलता दिलाता हैं।

Check & Change

Vinay Chart

Vinay For	DATES									
Parents	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Elders										
Books										
Cupboard										
Cousins										
Bags										
Friends										
Community helper										
Clothes										
Trees / Plants										

VINAY FOR LIVING THINGS

Parents
Love them

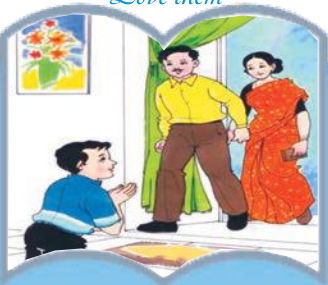

Friends
Be helpful

Relatives
Be Kind

Neighbours
Behave well

Teachers
Listen to them

Guru
Always Obey

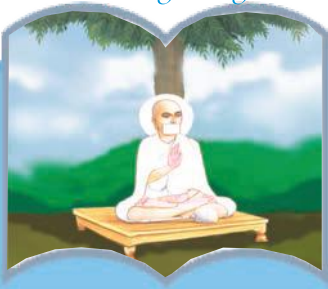

Animals
Be Compassionate

Plants
Avoid Plucking

Servant
Give Respect

VINAY FOR NON-LIVING THINGS

Books
Don't tear

Bags
Keep in proper place

Clothes
Fold and keep neatly

Games
Wind up after playing

Pencil
Make its full use

Shoes
Keep in rack

Water bottle
Empty after use

Tiffin box
Clean After Eating

Cupboard
Should be neat

STORY TIME

स्कुल में बच्चें पढ़ रहे थे, रिसेस हुई। सब बच्चें स्कुल के ग्राउन्ड में अपना अपना tiffin box लेकर गए। वरुण क्लास में ही बैठा रहा। उसने रीषी का बैग खोला। उसने रीषी के बैग में बटन वाला एक सुंदर कंपस box देखा। कल ही रीषी के मामाने उसको gift दिया था। वह कंपस box वरुण को बहुत पसंद आया। उसने तुरंत अपने बेग में डाल दिया, और स्कुल के ग्राउन्ड में अपना tiffin box लेकर चला गया। यह सब रीषी ने क्लास के बाहर से देखा। वो tiffin box लेना भूल गया था इसलिए फिर से क्लास में आया तब उसने यह देख लिया। उसको यह देखकर बड़ा दुःख हुआ कि वरुणने ऐसा क्यों किया? वह फिर चुपचाप नीचे चला गया।

रिसेस खत्म होने पर सभी बच्चें अपनी अपनी क्लास में गए। वरुण और रीषी भी अपनी बेंच पर बैठ गए। टीचर ने कहा किताब और Pencil निकालो....रीषी का pencil box गायब था।

इसने इधर उधर सब जगह ढुँढा। वरुण से भी पुछा तो वरुणने बताया उसे नहीं मालुम कहाँ पर हैं। और रीषी को यह सुनकर बड़ा दुःख हुआ, रीषी कुछ न बोला... घर चला गया...

वरुण का दो दिन पश्चात जन्मदिन था...

रीषीने उसको एक gift दी... वरुण काफी उत्सुक था।

वरुणने gift paper निकाला और जैसे ही gift देखी वह हक्का बक्का रह गया... वही कलर, वही बटनवाला वैसा ही pencil box जो वरुणने चुराया था। रीषीने कहा तुझे मेरे जैसा pencil box बहुत पसंद था इसलिए में वैसा ही pencil box लेकर आया हुँ। एक तेरे लिये और एक मेरे लिए...

वरुण gift और रीषी की बात सुनकर बहुत रोया और उसे पछतावा हुआ... उसने माफी माँगी और अपनी भुल कबुल की और रीषी को उसका pencil box वापस कर दीया। रीषी ने कहा, "वरुण मुझे मालुम था कि तुने ही pencil box लीया था। पर मेरे गुरुदेव ने मुझे सिखाया है की किसी भी परिस्थिति में हमें गुस्सा आए, तब हमें शांत रहना चाहिए। विनय भाव में रहना चाहिए।

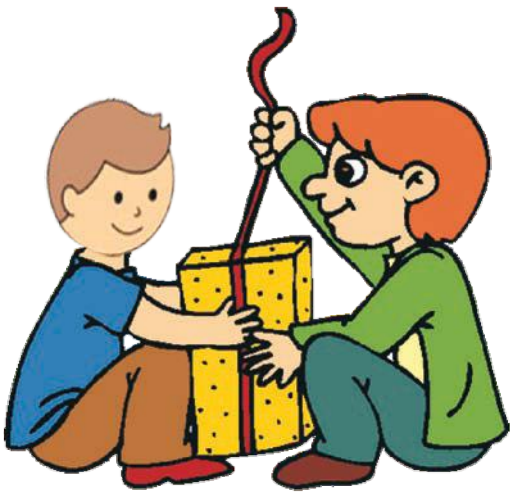

परिस्थिती अपने आप काबु में आ जाती हैं।

तु मेरा अच्छा दोस्त है और तुझसे गलती हुई थी। लेकिन में तुझ पर गुस्सा करता तो परिस्थिति विपरीत होती। इसिलिये मैने तुझसे कुछ न कहा। तुभी एक विनयवान, निष्ठावान, इमानदार व्यक्ति बन सके यही मंगल भावना है।

Moral : एक के विनय से अनेक को प्रेरणा मिलती है।

शुभ भावना

१) हे प्रभु! आपका जैसा भूतकाल था, वैसा मेरा वर्तमान कब बनेगा?

1) Oh God! I wish my present becomes like your past.

२) भूतकाल में आपने जो साधना, आराधना कर के मोक्ष पद की प्राप्ति की वैसा मेरा वर्तमान काल कब बनेगा?

2) I wish I can attain emancipation (Moksha) by doing penance and acquiring omniscience like you did.

३) आपका जैसा वर्तमान काल है, वैसा मेरा भविष्यकाल कब बनेगा?

3) I wish I acquire the present state you are in, in the near future.

Vinay Goes if...

I am something -
I know everything
I have everything -
I am everything.

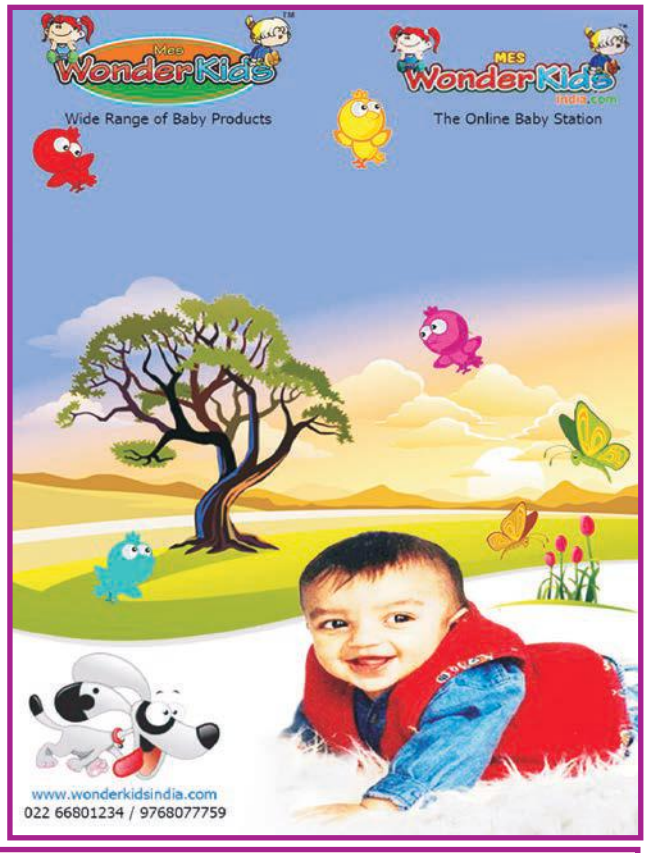

Ayushmaan Bhava

A Blessing For A Lifetime Of Good Health Is Born With Your Baby
Preserve Your Baby's Umbilical Cord Stem Cells At Birth
Now At Just ₹9990*

LifeCell

Call 1800 419 5555 | SMS 'LIFECELL' TO 53456 | www.lifecell.in

*Terms & Conditions Apply

Select All The Good Qualities From The Tree And Write It In The Flower Given Below

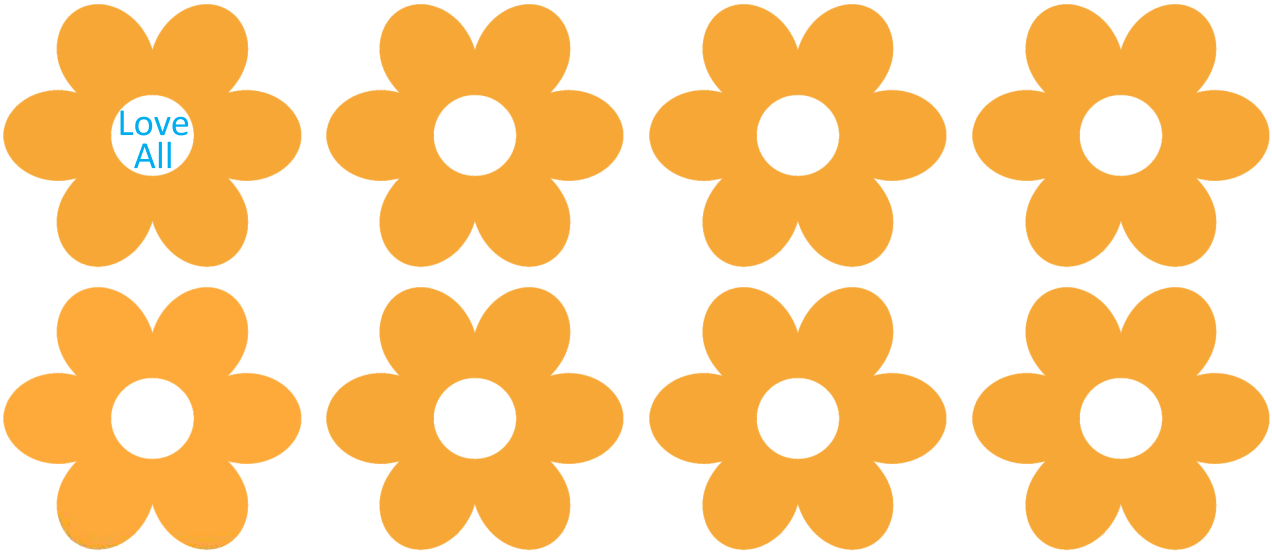

- Nysha Doshi

REBUS STORY

Come on kids, Are you all ready to join the 99 CLUB??

Once upon a time, there lived a who, despite his luxurious lifestyle, was neither happy nor contentded.

One day, the came upon a who was singing happily while he worked.

This fascinated the **"why was he, the Supreme Ruler of the Land, unhappy and gloomy, while a poor had so much joy?"** He asked the

'Why are you so happy?' The man replied, **'Your Majesty, I am nothing but a but my family and I don't need too much - just a roof over our heads and warm food to fill our tummies.'**

The sought the advice of his most trusted advisor. After hearing the story, the advisor said, **'Your Majesty, the has not yet joined "The 99 Club". "The 99 Club?** And what is that?' the inquired. The advisor replied, 'To truly know what The 99 Club is, just place 99 in a bag and leave it at this doorstep. 'When the servant saw the bag, he let out a great shout of joy... so many He began to count them. After several counts, he was at last convinced that there were only 99 He wondered, What could've happened to that last ? Surely, no one would leave 99

He looked everywhere he could, but that final   was elusive. Finally he decided that he was going to work harder than ever to earn that 100th

From that day, the   was a changed man. He was overworked, grumpy, and blamed his family for not helping him make that 100th   & he had stopped singing while he worked. Witnessing this drastic transformation, the   was puzzled. The advisor said, 'Your Majesty, the   has now officially joined The 99 Club. 'He continued, 'The 99 Club is a name given to those people who have enough to be happy but are never contentded, because they're always wanting that extra 1, saying to themselves: "Let me get that one final thing and then I will be happy for life. **"We can be happy with very little in our lives, but the minute we're given something bigger and better, we want more ...and even more!** We lose our sleep, our happiness, all these as the price for our growing needs and desires! That's

"The 99 Club"... Zero Membership fee to enter, but you pay for it for (& with) your entire life !

So kids do you want to join

99 CLUB

or you are happy and contended with what you have.

 King

 Gold Coins

 Sweeper

 1 Gold Coin

Registered with Registrar of Newspapers under RNI No. MAH MUL/2011/40056
Vol. : 7, Issue : 12, Date : 25.07.2016, Postal Registration No. MNE/171/2015-17.
Date of Posting / Date of Publication 10th & 25th of every month.
Look N Learn - Posted at Mumbai patrika channel sorting office Mumbai -1

Words Start With ABC, Numbers Start With 123, Music Starts With Sa Re Ga, But Let Your Day Start With Dev, Guru And Dharma!

Publisher, Printer and Owner Ashok R. Sheth, Printed at : Accurate Graphics Pvt. Ltd.,
15-A, Samrat Mill Compound, L.B.S Marg, Vikhroli (W), Mumbai - 400 079.
Publish at Mumbai : 20, Vanik Nivas, Kama Lane, Ghatkopar (W), Mumbai - 86. Editor : Ashok R. Sheth